अभी मास्क ही वैक्सीन है™

सुविचार
जो स्वार्थ कर सके वही धन का असली मालिक है, बाकी तो सभी संपत्ति के चौकीदार हैं।

दैनिक भास्कर

आप पढ़ रहे हैं देश का सबसे विश्वसनीय और नंबर 1 अखबार

तापमान (डिग्री सेल्सियस)

	न्यूनतम	अधिकतम	आम का अनुमान (न्यूनतम)
जयपुर	13.5	22.1	12.0
अजमेर	14.7	25.6	13.5
दिल्ली	11.4	16.8	10.0
मुंबई	19.7	28.9	18.0

DainikBhaskar.com | झुंझुनूं, सोमवार, 4 जनवरी, 2021 | पौष, कृष्ण पक्ष-6, 2077 | 12 राज्य | 65 संस्करण

आत्मनिर्भर भारत • बायोमेट्रिक अटेंडडेंटस से संक्रमण का डर होने पर सीरी ने डेवलप किया फेस बेस सिस्टम

सीरी ने चेहरे पर आधारित स्वदेशी अटेंडडेंस सिस्टम बनाया, इसमें इंटरनेट की जरूरत नहीं, एक सैकंड में 3 चेहरे पहचानने की क्षमता

भास्कर संवाददाता | झुंझुनूं

कोरोना संकट ने हमें नई समस्याओं के नए समाधान खोजने का भी अवसर दिया। किसी भी सतह को छूने से संक्रमण ना फैले इसके लिए उन सभी जगहों पर जहां बायोमेट्रिक हाजरी का सिस्टम था बंद कर दिया गया। इस सिस्टम में अंगुली या अंगूठे के प्रयोग से हाजरी लगती थी। ऐसी स्थिति में अटेंडडेंस के लिए चेहरे की रिडिंग पर आधारित सिस्टम की जरुरत बढ़ गई। हालांकि देश में ऐसे सिस्टम पहले से ही है, लेकिन उनमें से अधिकांश विदेशी प्रणाली वाले हैं या उनमें कई तरह की खामियां है। ऐसे में पिलानी स्थित राष्ट्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला सीएसआईआर-केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीरी) ने आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस प्रौद्योगिकी पर आधारित प्रणाली का डिजाइन और विकास किया है। यह पूरी तरह से स्वदेशी है और इसमें इंटरनेट की आवश्यता नहीं होती। खास बात ये है कि इसमें किसी भी प्रकार की खामी ना के बराबर है। शोधकर्ता टीम के सदस्यों में प्रधान वैज्ञानिक डॉ. संजयसिंह, श्यामसुंदर, डॉ. रवि सैनी, अनिल कुमार सैनी, सुमीत सौरव, नवलकिशोर मेहता, प्रशांत गिद्दे समेत अन्य वैज्ञानिक शामिल थे। संस्थान के पूर्व निदेशक प्रोफेसर चंद्रशेखर और सीएसआईआर-मानव संसाधन विकास केंद्र, गाजियाबाद के प्रभारी डॉ आर ने इसका उद्घाटन किया। इस सिस्टम के शोध टीम के प्रमुख डॉ संजय सिंह ने बताया कि फेस रिकोगेनशन बेस अटेंडडेंस सिस्टम आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस टेक्नोलॉजी पर आधारित है। यह पूरी तरह से स्वदेशी है। एक सैकिंड में यह तीन चेहरे पहचान सकता है।

▮ स्वदेशी उपस्थिति प्रणाली विकसित करने में सफलता प्राप्त की। संस्थान के साइबर फिजिकल सिस्टम्स में शोधरत वैज्ञानिकों एवं उनकी टीम द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर ए आई मिशन परियोजना के अंतर्गत शोध एवं विकास कार्य किए जा रहे हैं।
-डॉ. पीसी पंचारिया, निदेशक, सीरी

अब... एंटी स्पूफ अटैक सिस्टम की तैयारी में जुट गए वैज्ञानिक

डॉ. संजयसिंह ने बताया कि ऐसे सिस्टम में गलत तरीके से इस्तेमाल में किसी अन्य व्यक्ति की फोटो या मोबाइल से फोटो या 3D फेस मास्क आदि से उपस्थिति दर्ज करवा दी जाती है। इसे स्पूफ अटैक कहते हैं। जिसका अभी तक कोई समाधान नहीं है। अब संस्थान के वैज्ञानिक एंटी स्पूफ अटैक सिस्टम डेवलप कर रहे हैं।

1000 कर्मचारियों की क्षमता : यह प्रणाली 1000 कर्मचारियों तक की पहचान कर सकती है। खास बात ये है कि इसके परिणाम 100 प्रतिशत सटीक है। डॉ संजय सिंह ने बताया कि उपयोग के लिए इंटरनेट की आवश्यकता नहीं है, लेकिन स्थानीय या लोकल एरिया नेटवर्क लेन की आवश्यकता होगी। सीरी के 300 से अधिक नियमित कर्मचारियों और अस्थायी कार्मिकों के डेटा के साथ इस प्रणाली का संस्थान में सफल उपयोग किया जा रहा है।